खबर संक्षेप

ग्राम पुरवा में एक संदिग्ध घर की तलाशी, देशी-विदेशी शराब जप्त

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में गश्त के दौरान ग्राम पुरवा में एक संदिग्ध घर की तलाशी ली गई जिसमें 1 थैले में 15 पाव मकडोवेल्स रम, 10 पाव जीनियस, 20 पाव देसी मदिरा प्लेन, 1 बोतल एमडी रम, मैजिक मोमेंट, 11 पाव गोआ बरामद की गई। जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 8150 रूपए है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण कर जिला पेंशन कार्यालय में जमा करें

मण्डला। कार्यालय जिला पेंशन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी अधीनस्थ कार्यालयों में सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश हैं। समस्त कार्यालय प्रमुख अपने कार्यालय के माह मई, जून एवं जुलाई 2025 तक सेवानिवृत्त/मृत शासकीय सेवकों के लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु पेंशन प्रकरण अनिवार्य रूप से जिला पेंशन कार्यालय में जमा कर प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करें।

देव कुमार उपाध्याय का निधन

भुआबिछिया। वार्ड नंबर 02, मुक्तिमार्ग निवासी देवकुमार उपाध्याय रिटायर्ड डिप्टीरेंजर का विगत लंबे समय से अस्वस्थता के कारण आज रात 11:30 बजे निधन हो गया है। दिवंगत देवकुमार उपाध्याय संतोष उपाध्याय अरविंद उपाध्याय के पिता और अनुज उपाध्याय के दादाजी हैं। अंतिम संस्कार आज 31.07.2025 को समय सुबह 10:00 बजे वार्ड क्र. 02 के मुक्तिधाम में किया गया।

लापरवाही से नवजात की मृत्यु होने के लगे थे आरोप

महिला चिकित्सक पर एफआईआर दर्ज

*** विशेषज्ञों की जांच टीम के निष्कर्ष के बाद हुआ मामला दर्ज।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला जिला वर्षो से स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिये बांट जोह रहा है शासन के भारी भरकम आवंटन के बावजूद शानदार जिला चिकित्सालय भवन एवं अन्य चिकित्सकीय संसाधन तो उपलब्ध हैं लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के चलते ये सभी बेकार साबित हो रहे हैं यही कारण है कि निजी चिकित्सकों की बाढ़ सी आई है इनमें से बहुत से नगर में ही रहकर अपनी दुकान चला रहे हैं तो अधिकांश महानगरों से सप्ताह में एक या दो दिन प्रवास कर उपचार के बहाने मोटा माल कमा रहे हैं।

उपचार को लेकर पैसा तो भरपूर लिया जा रहा है लेकिन उपचार में लापरवाही को नियती का नाम देकर पीड़ित को समझाने का प्रयास किया जाता है और पीड़ित भी भगवान की इच्छा मानकर चुप रह जाते हैं ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जब बीमारी कुछ होती है और ईलाज कुछ किया जाता है लेकिन आम आदमी को चिकित्सकीय ज्ञान नहीं होता लिहाजा वह देखते समझते हुये भी बेवकूफ बनता रहता है।

उपचार में कहां लापरवाही हुई इसे प्रमाणित करना आसान नहीं चूंकि बहुत सी दवाईयाँ बेवजह भी मरीजों को दे दी जाती हैं, बहुत सी जांच भी बेवजह कराई जाती है जिसके पीछे सिर्फ और सिर्फ पैसा कमाना ही उद्देश्य होता है। इन सबके बावजूद भी जब मरीज को चिकित्सक की आवश्यकता होती है ऐसे समय में चिकित्सक यदि मौजूद न हो या फिर व्यस्त रहने का बहाना करे और मरीज की जान खतरे में पड़ी हो तो फिर क्या करना चाहिये?

ऐसे ही एक मामले में चिकित्सक की लापरवाही के चलते एक नवजात जन्म से पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो गया परिवारजन जहां बच्चे के जन्म की खुशियाँ मनाने की तैयारी में थे उनके ऊपर उस नवजात की मौत का गहन दुख आ पड़ा। बेहतर स्थिति में रही प्रसूता के साथ अचानक से क्या हुआ कि बच्चे की जन्म के पहले ही मृत्यु हो गई। इस पर चिकित्सक ने विज्ञान की भाषा में समझाते हुये अपने आपको निर्दोष बताया लेकिन परिजनों का कहना था कि जब सब कुछ बेहतर था तो फिर आखिर बच्चे की मृत्यु हुई तो कैसें। मामले को गंभीरता से समझा गया तो ज्ञात हुआ कि प्रसव के दौरान जब पीड़िता को चिकित्सकीय आवश्यकता थी महिला चिकित्सक जो कि पिछले काफी समय से अपने क्लीनिक में इनका उपचार कर रही थी ऐसे समय जबकि प्रसव पीड़ा के दौरान पीड़िता को उपचार की आवश्यकता थी तो महिला चिकित्सक नदारत रही। उपचार के दौरान भी लापरवाही के प्रमाण परिजनों को मिले और यही उनके आक्रोश का कारण बना आनन-फानन में विवाद होता देख पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार को समझाया एवं उनकी शिकायत भी चिकित्सक के विरूद्ध थाने में दर्ज की।

पीड़ित परिवार की शिकायत पर कलेक्टर मण्डला द्वारा विशेषज्ञों की एक टीम बनाकर जांच के आदेश दिये गये 06 फरवरी 2025 के इस मामले की जांच पिछले दिनों पूर्ण हुई और जांच टीम ने निष्कर्ष यह दिया कि प्रसूतिका की क्लीनिक स्टेज का ध्यान रखते हुये जो निर्णय लिया जाना था वह परिलक्षित नहीं हो रहा उपरोक्त तथ्यों से डॉक्टर नृपिका पथारिया स्त्री रोग विशेषज्ञ की कहीं न कहीं लापरवाही प्रतीत होती है संपूर्ण मर्ग जांच एवं डॉक्टरों के जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रथम दृष्टया डॉक्ट नृपिका पथारिया स्त्री रोग विशेषज्ञ के विरूद्ध अपराध अंतर्गत धारा 106 भारतीय न्याय संहिता का घटित करना पाया जाने से प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाता है।

शायद यह पहली बार है जब किसी चिकित्सक की लापरवाही पर मुकदमा दर्ज किया गया है देखना होगा क्या परिणाम होता है।

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जांच फार्म-I)
12.First Information contents (प्रथम सूचना तथ्य):

नवजात की मौत, निजी चिकित्सकों पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सूर्यकुण्ड धाम में गूंजे हनुमत महामंत्र

*** तुलसी दिवस के साथ हुआ दिव्य 'महामंत्र रुद्राभिषेक' अनुष्ठान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

गुरुवार को ब्रह्ममुहूर्त सूर्यकुण्ड धाम में मंत्रोच्चार से पूरा मंदिर गूंज उठा, जहां श्री हनुमान जी महाराज के दिव्य स्वरूप के समक्ष रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। ब्रह्ममुहूर्त बेला में जब प्रभु श्री हनुमान जी महाराज के श्रीविग्रह पर रुद्राभिषेक की जलधारा बह रही थी, पूरा सूर्यकुण्ड धाम भक्ति, श्रद्धा और दिव्यता से सराबोर हो गया। श्री हनुमान मंदिर परिसर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 'महामंत्र रुद्राभिषेक' का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि इस दिव्य अनुष्ठान का संपादन परम श्रद्धेय शिवम् कृष्णाचार्य जी श्रीधाम वृंदावन के पावन सान्निध्य में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 4:30 बजे ब्रह्ममुहूर्त आरती के पश्चात हुई, जिसमें प्रमुख आचार्य श्री मुरलीधर पंडा जी ने विधिविधान से पूजन किया। उनके साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने पवित्र रुद्राभिषेक में भाग लिया और सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ प्रभु हनुमान जी का आह्वान किया। इस अवसर पर तुलसी दिवस भी पूरे भक्ति भाव से मनाया गया। अभिषेक के दौरान तुलसी पत्रों का विशेष प्रयोग किया गया, जिससे वातावरण अत्यंत पावन और आध्यात्मिक हो गया। कार्यक्रम की सफलता में अध्यक्ष श्री एड. आकाश दीक्षित और संरक्षक श्री भीष्म द्विवेदी का विशेष योगदान रहा। इनकी सक्रिय सहभागिता और समर्पित सेवा भावना ने आयोजन को उत्कृष्ट रूप प्रदान किया। परम श्रद्धेय शिवम् कृष्णाचार्य जी ने ब्रह्ममुहूर्त में होने वाले रुद्राभिषेक की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा ब्रह्ममुहूर्त काल आत्मा की जागृति और ब्रह्म के साक्षात्कार का सर्वोत्तम समय होता है। इस काल में किया गया रुद्राभिषेक न केवल ग्रह दोष, रोग, क्लेश, और विघ्नों को हरता है, बल्कि साधक को आध्यात्मिक उन्नति व संपूर्ण सिद्धि प्रदान करता है। हनुमान जी का महामंत्र और तुलसी का संगम पूर्णतः शुभफलकारी होता है। इस दौरान ब्रह्म मुहूर्त आरती सेवादारों की मुख्य भूमिका रही।

जिला स्तरीय अभिसरण समिति की बैठक आयोजित

मण्डला। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत चयनित ग्रामों की ग्राम विकास योजना निर्माण के संबंध में जिला स्तरीय अभिसरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस योजना के अंतर्गत चयनित मोहगांव विकासखंड के ग्राम खैरी माल तथा घुघरी विकासखंड के ग्राम सैलवारा के लिए कार्ययोजना निर्माण के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना में चयनित दोनों ग्रामों के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना में कन्वर्जेंस के कामों को रीचैक करें। विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार का दोहराव न हो। सीसी रोड के प्रस्तावों के संबंध में यह अवश्य देखें कि संबंधित निकाय द्वारा इन्हें 15वे वित्त अथवा 5वे वित्त की योजना में शामिल तो नहीं किया गया है। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी, कार्यपालन यंत्री पीएचई, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग, सहायक संचालक आदिवासी विकास विभाग, अग्रणी जिला प्रबंधक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान का किया गया शुभारंभ

मण्डला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मंडला के द्वारा ब्रह्माकुमारीज की इस वर्ष की ईश्वरीय सेवाओं की थीम विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम मंडला जिले के मुख्य सेवाकेंद्र बस स्टैंड के पीछे स्थित ₹विश्व शांति भवन₹ के सभागृह में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मंडला क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, सुभाष वार्ड सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, मंडला जिले के एडिशनल एस. पी. भ्राता शिव कुमार वर्मा, आर.आई. भ्राता सुनील नागवंशी एवं ब्रह्माकुमार भाई बहनें उपस्थित रहे। इस थीम के द्वारा ही संपूर्ण विश्व में एकता और विश्वास के साथ शांति की स्थापना होगी। ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सेवाओं की बहुत-बहुत सराहना की। इसके बाद सभी ने नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों को ईश्वरीय सौगात दिया। सभी ने इस कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की।

अधिकारियों ने किया प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति का निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति नैनपुर का उप संचालक कृषि एवं सहायक आयुक्त सहकारिता ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान कृषक संगठन के पदाधिकारियों एवं किसानों से खाद की उपलब्धता एवं वितरण के सम्बन्ध में चर्चा की गई। खाद की पर्याप्त उपलब्धता एवं आगामी दिनों में यूरिया की रैक मंडला जिले में आने की जानकारी दी गई। चर्चा के दौरान उपस्थित सदस्यों ने अपनी शंका एवं समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। मौके पर ही सभी शंकाओं का समाधान किया गया।

आयोजन | युवाओं ने ली जोश और ऊर्जा के साथ नशा मुक्ति की शपथ

टाउन हॉल में पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन

*** जिम प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नगर पालिका टाउन हॉल में एक विशेष आयोजन के तहत पहली बार पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर के जिम से जुड़े युवाओं ने पूरे जोश और ऊर्जा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह देखने लायक था जो स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और नशा मुक्त भारत के संदेश को लेकर खासा प्रेरित नजर आए। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, कोतवाली थाना प्रभारी शफीक खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। वही थाना प्रभारी ने नशा से दूरी है जरूरी अभियान के तहत युवाओं को नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शारीरिक मजबूती के साथ मानसिक मजबूती भी जरूरी है और इसके लिए नशा से दूरी बहुत आवश्यक है। युवा अगर अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग हो जाएं तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। बिग मसल्स जिम प्रतियोगिता के आयोजक दीपेश पुषाम, सोम सुरेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि यह प्रतियोगिता सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक संदेश है युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करने का। उन्होंने कहा हम चाहते हैं कि युवा अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं और नशे की बजाय फिटनेस को अपनाएं। इसी सोच के साथ हमने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की थी। इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर सूरज सिंह राजपूत ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान युवाओं ने डेडलिफ्ट पावर लिफ्टिंग जैसी श्रेणियों में अपनी ताकत दिखाई। अलग-अलग भार वर्गों में प्रतियोगियों ने 50 किलोग्राम से लेकर 250 किलोग्राम तक वजन उठाया, जिसे देखकर दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। कुछ प्रतिभागियों ने अपनी व्यक्तिगत श्रेष्ठतम क्षमता को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को प्रोटीन डाइट, फिटनेस ट्रेनिंग और जीवनशैली सुधार से जुड़ी जानकारियां भी दी गईं। यह प्रतियोगिता न केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन थी, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी था कि युवा नशे से दूर रहें और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाएं। पहली बार आयोजित यह कार्यक्रम इतना सफल रहा कि आयोजकों ने इसे हर वर्ष आयोजित करने की बात कही है। मंडला जैसे छोटे शहर में इस तरह की पहल युवाओं के भविष्य और समाज की दिशा बदलने का संकेत है। वही सागर तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बालाघाट, मंडला, नैनपुर, बिछिया, बम्हनी, बैहर, कवर्धा छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों से खिलाड़ी शामिल हुए। वही कार्यक्रम के समापन में अमन अग्रवाल ने सभी मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला योजना भवन में नमामि नर्मदे महा आरती ट्रस्ट एवं सामाजिक संगठनों की साझा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाआरती ट्रस्ट के प्रस्ताव अनुसार सावन मास के चौथे सोमवार को माहिष्मती नर्मदेश्वर कांवड़ यात्रा के संबंध में चर्चा की गई। चर्चा में भाग लेते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि महाआरती ट्रस्ट की ओर से सावन सोमवार को कांवड़ यात्रा के आयोजन का प्रस्ताव रखा गया है। सभी सामाजिक और धार्मिक संगठनों के सहयोग से भव्यता और सुचिता के साथ कांवड़ यात्रा का आयोजन हो, यह सुनिश्चित करना हम सबका दायित्व है।

आयोजित होने वाली इस कांवड़ यात्रा की जानकारी देते हुए नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने कहा कि मंडला नगरवासियों की माँ नर्मदा पर असीम आस्था है। हम ऐसी आशा करते हैं कि इस आयोजन में नगर के समस्त धर्मप्रेमी शामिल होकर यात्रा को सफल बनाएंगे। हमारी यह परंपरा है कि आने वाली पीढ़ियों को धर्म और सदभाव से रहने के लिए प्रेरित करेंगी।

बैठक के दौरान कांवड़ यात्रा की माहिष्मती घाट से शुरूआत, रूटचार्ट, मार्ग में ठहराव, व्यास नारायण मंदिर में यात्रा का समापन, मार्ग की व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री मिश्रा राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीओपी मंडला पीयुष मिश्रा एवं नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी तथा गणमान्यजन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नगर में दौड़ रहे बगैर नम्बर प्लेट के वाहनों को नजर अंदाज करना पड़ सकता है भारी, कार्यवाही की उठाई जा रही मांग

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर में प्रतिदिन यातायात व्यवस्था खराब होते जा रही ही और इस समस्या की ओर अनेको बार जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित नगर के समाज सेवको द्वारा पुलिस के वरिष्ट अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया चुका है मगर इसके बाद भी यातायात विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण नगर सड़को पर खुलेआम बिना नंबर प्लेट की गाड़ी दो पहिया वाहनों में तीने सवारी, छोटे छोटे बच्चों का सरपट वाहनों को दौड़ने के साथ साथ वाहनो में कान फोडू व ककर्स हार्न लगाने का क्रम जारी है, यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन दिनों नगर में चलने वाले लगभग 40 प्रतिशत टू व्हीलर वाहन व 40 प्रतिशत चौपाहिया वाहन शामिल है, जो प्रतिदिन नगर के मुख्य चौराहों से बेखौफ होकर गुजरते बगैर नबंर के वाहन दिखाई देतें है फिर भी पुलिस इन पर ना तो कोई कार्यवाही कर पा रही है ना उनको पकड़ने में कोई अंकुश अभी तक लगा पाई है, जिसके चलते नगर में इन दिनों नाबालिग बच्चों को गाड़यिां चलाने का जुनून सा दिख रहा है। यदि नगर की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नियमों को दर किनार करते हुये दौड़ने वाले इन वाहनों में प्रमुख रूप से दोपहिया गाड़यिों में तीन लोग सवार होकर फर्राटे से और मस्ती करते हुए दौड़ा रहे होते है जो कभी भी रास्ते से गुजरने वाले राहगिरों को अपनी चपेट में लेने से नही चूकते है। अनेकों बार तो स्थिति इस तरह से देखने मिलती है कि यातायात नियमों की जानकारी के अभाव में दूसरे वाहनों को प्रभावित होने से नही बच पाते है। उल्लेखनीय है कि नगर में अनेक ऐसे लोग है जो बिना लायसेंस, ट्रीपल सीट सवारी, बिना नंबर प्लेट सहित दर्जनों अनियमिताता के साथ प्रतिदिन नगर के प्रमुख स्थानों तथा थाने व विभागीय कर्मचारियों के सामने से कई वाहन गुजरते दिखाई देतें है, लेकिन विभाग इस ओर तत्परता नही दिखाने के कारण लोग बेखौफ होकर वाहन दौड़ा रहे है।

मिलावटी ईधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लूटने मे परहेज नही कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नही हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्वन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोंगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्फर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोंग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्वन की मात्रा बढ़नें के कारण शहर के लोगों मे श्वास व ह्दय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।

दो दिन तक बंद रहे झिकोली व ककरा घाट पुल पर नर्मदाजी के जल स्तर में कमी आने से शुरू हुआ यातायात

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में बीते हुये लगभग एक सप्ताह से भी अधिक समय से लगातार हो रही बारिश के चलते जहां संपूर्ण क्षेत्र की स्थिति बदहाल होते हुये दिखाई दे रही थी। वही दूसरी ओर शनिवार रविवार की दरम्यानी हुई घनघोर बारिश के चलते क्षेत्र के सभी छोटे बडे नदी नाले ऊफान पर होने के चलते लोगों का गाडरवारा से संपर्क टूटने से नही चूक पाया था। वही दूसरी ओर प्रदेश के ऊपरी हिस्सों में हो रही बारिश के चलते जबलपुर के पास नर्मदा नदी में बने हुये बरगी डेम में जल स्तर अधिक होने के चलते जल निकासी के लिये बरगीबांध के गेट खोले जाने के कारण नर्मदा का लगातार जल स्तर में हुई बढ़ोत्तरी के कारण सांईखेड़ा से उदयपुरा की ओर जाने वाले मार्ग झिकोली घाट तथा गाडरवारा से तेंदूखेड़ा जाने वाले मार्ग ककरा घाट पर बने हुये पुलों के ऊपर पानी होने के कारण यहां से यातायात पूर्णरूप से बंद हो गया था। इस तरह यह दोनों पुल नर्मदाजी में बाढ़ के चलते दो दिनों तक डूबे रहने के कारण नरसिंहपुर जिले का रायसेन से संपर्क टूटा हुआ था तो दूसरी ओर इस मार्ग से गाडरवारा व तेंदूखेड़ा के बीच भी यातायात व्यवस्था बंद पड़ी हुई थी। इस तरह तीसरे दिवस नर्मदाजी के जल स्तर में कमी आने के बाद इन पुलों के नीचे पानी होते ही यातायात सुचारू रूप से संचालित होते हुये देखा गया।

हरिभूमि प्रतिनिधि ने सड़क पर तड़प रहे घायल को पहुंचाया चिकित्सालय

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जब कही कोई सड़क दुर्घटना घटित होती है तो मौके पर भीड़ उमड़ने से नही चूक पाती है। मगर घटना में घायल होने वाले लोगों के लिये यदि समय रहते हुये आम लोगों से मदद मिल जावे तो उनकी जिन्दगी बचाई जा सकती है। इस स्थिति में अक्सर देखा जाता है कि लोग सड़को पर पड़े रहने वाले घायलों की मदद के लिये आगे आते हुये दिखाई नही देते है यह निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई है। जबकि स्थानीय पुलिस द्वारा यह बात उजागर कर दी गई है कि यदि इस तरह से किसी घायल को कोई मदद करते हुये चिकित्सालय लेकर जाता है कि पुलिस द्वारा न तो उसे किसी प्रकार से कोई गवाह बनाया जावेगा और न ही अन्य तरह की कार्यवाही का हिस्सा बनाया जावेगा। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये गुरूवार की देर शाम गाडरवारा कामती मार्ग पर उस समय देखने मिली जब दो लोग मोटर साईकिल पर सबार होकर जा रहे थे। इस दौरान कामती मार्ग स्थित शनि मंदिर के पास किसी अज्ञात चार पहिया वाहन द्वारा टक्कर मारते हुये मौके से भाग जाने के स्थिति में दोनों घायल सड़क पर पड़े हुये तडप रहे थें। इस दौरान अनेक लोग उन्हें देखकर सीधे निकलते जा रहे थें। हद जब हो गया कि पास में ही एक निजी एम्बुलेंस भी खड़ी हुई थी मगर उसने भी सड़क पर पड़े हुये घायलों को चिकित्सालय पहुंचाने की बात तो दूर मदद करना भी उचित नही समझा गया। इसी बीच हमारी हरिभूमि सांईखेड़ा प्रतिनिधि दीपक अग्रवाल को निकलना हुआ तो उन्होंने अपनी गाड़ी रोकते हुये घायलों की स्थिति को जाना और अपने अन्य साथी की मदद से दोनों घायलों को शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा पहुंचाया गया। इस प्रकार से चिकित्सालय पहुंचने के बाद एक घायल की स्थिति गंभीर होने के चलते उसे जिला चिकित्सालय के लिये रेफर किया गया है। अभी तक यह बात तो स्पस्ट नही हो पाई है कि घायल कहा के रहने वाले और उनको टक्कर मारने वाली गाड़ी कौन थी। मगर एक जागरूक पत्रकार द्वारा किये गये प्रयासों की लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

क्षेत्र की पंचायतों में बनाये गये तालाब सहित अमृत सरोबर डेमों की गुणवत्ता को लेकर खड़े हो रहे सबाल, यदि निष्ठा के साथ जांच हुई तो उजागर हो सकती है चौकाने वाली सच्चाई...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

पंचायतों के विकास को लेकर सरकार द्वारा जिस तरह अनेक मदों के माध्यम से राशि खर्च की जा रही है उसके चलते निश्चित तौर अब तक पंचायतों की सूरत बदल जा चुकी होती..? क्योंकि हर साल देखा जाता है कि पंचायतों में शासन द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यो के नाम पर लाखों रूपया की राशि प्रदान की जा रही है।

इस बात की सच्चाई तीन साल पहले यानि की बीते हुये पंचायती कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायती राज के तीन शाल के कार्यकाल के दौरान देखी जा सकती है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि वह शासकीय राशि को पंचायतों द्वारा किस तरह से कार्य किया जा रहा है। इस सच्चाई को देखने लिये शायद जिम्मेदार अधिकारियों को कोई लेना देना ही नही है..? इस तरह पंचायती राज में विकास कार्य अधिकारियों की मिली भगत के चलते सिर्फ कागजों पर ही होते हुये देखे जा रहे है..? यह सच्चाई सिर्फ किसी एक पंचायत नही बल्कि अनेक पंचायातों में देखने मिल सकती है..? मुख्य रूप से गाडरवारा तहसील क्षेत्र अंतर्गत आने पंचायतों में बनाये गये तालाब व अमृत सरोबर डेमों के निर्माण कार्यो की सच्चाई को देखकर लोग आश्चर्य में पढ़ने से नही चूक पा रहे है..। जहां एक किसान मात्र दस बीस हजार रूपया की लागत लगाते हुये अपने खेत में बंधिया बनाता है वह जरा सी बारिश के दौरान तालाब का रूप धारण कर लेती है। मगर पंचायतों द्वारा लाखों रूपया की लागत से बनाये गये तालाब व अमृत सरोबरों में सूखे दिनों की बात तो दूर बारिश के दिनों में तक पानी दिखाई नही दे पा रहा है..? तालाब व अमृत सरोबर के नाम पर शासकीय राशि खर्ज करते हुये किये जाने वाले इन विकास कार्यो का हाल इस तरह देखने मिल रहा है कि गांवों के पुराने नालों व ऊबड खाबड़ जगहों में पड़त पड़ी हुई भूमि को चारों ओर से मिट्टी डालने की औपचारिकता पूर्ण करते हुये तालाब व डेमों का नाम देते हुये अधिकारियों की मिली भगत से लाखों रूपया निकालने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? इन निर्माण कार्यो की पोल मौके पर हुये निर्माण कार्य से लेकर उनमें कार्य करने वाले मजबूरी की सूची अपने आप ही उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? क्योंकि पंचायत के कागजों में इस तरह मजदूर मजदूरी करते हुये इस तरह की मजदूर महिलाये देखने मिलसकती है जो आज तक चार दिवारी के बाहर नही निकली होगी और उनके द्वारा तालाब निर्माण कार्यो में मजबूरी करते हुये उनके बिलों का भुगातान होते हुये देखने मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्षेत्र में देखा जावे तो पंचायती राज के बीते हुये कार्यकाल से लेकर इस कार्यकाल के तीन सालों के अंदर अनेक पंचायतों में सरकार की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के तहत पंचायतों में बडे स्तर पर लाखों रूपया खर्च करते हुये तालाब व डेम बनाने का कार्य किया किया गया है। वह निश्चित ही गुणवत्ता को लेकर सबालों के घेरे में आने से नही चूक रहे है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पंचायतों के साथ साथ लेकर ब्लाक जिला स्तर पर बैठे हुये जिम्मेदार अधिकारियों के लिये तो अमृत सरोबर दुधारू गाय साबित होने से नही चूक रहे है। क्योंकि अनेक जगहों पर तो हाल इस तरह बना हुआ है कि पुराने नालों को बांधकर अमृत सरोबर का नाम देते हुये लाखों रूपया निकालने जा रहे है..? यदि पूर्व में बनाये गये तालाब व डेमों से लेकर वर्तमान के अमृत सरोबरों की निष्ठा के साथ जांच होती है तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि इनकी जांच करेगा कौन..? क्योंकि यह शासीकय राशि में इस तरह गफलबाजी की रेली गाड़ी में सभी की सौझआई के चलते गति पकड़े हुये देखी जा रही है..? इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के साधन उपलब्ध कराने की सोच को ध्यान में रखते हुये गांवों में पड़त पड़ी हुई शासकीय भूमि पर तालाब व डेम निर्माण कराने की शुरू आत की गई थी। तालाबों का निर्माण उस जगह होना था जहां पर बारिश का पानी आसानी से पहुंचते हुये उसमें रूक सके। वही डेमों को लेकर बताया जाता है कि इस प्रकार के नाले जिनमें बारह मास पानी रहता हो और डेम बनाते हुये उस पानी को रोका जावे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी सिंचाई करते हुये कृषि को लाभ का धंधा बना सके। मगर देखने मिल रहा है कि इस योजना के तहत जहां तहां बनाये गये तालाब व डेमों में शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च तो की जा चुकी है। मगर वहां पर आज भी भूमि पूर्व की तरह समतल ही नजर आने से नही चूक रही है जबकि कागजों में तालाबों से लेकर अमृत सरोबरों का निर्माण कार्य पूर्ण होते हुये उनका भुगतान तक हो चुका है..? इस तरह सही मायने में देखा जावे तो शासन की अनेक ग्रामीण योजनाये मात्र कागजों पर संचालित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। यदि किसी निष्ठावान अधिकारी द्वारा पंचायतों में हुये इन कार्यो की जांच हो जाती है तो निश्चित अनेक पंचायतों के सरपंचो से लेकर अधिकारी बेनकाब होने से नही बच पायेगे...? इस प्रकार से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के नाम पर हुई गफलत बाजी को लेकर ग्रामीणजनों द्वारा जांच की मांग उठाई जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना में खर्च की जा रही राशि व निर्माण कार्यो की जांच की जाती है तो निश्चित तौर से बडे स्तर की गफलत बाजी उजागर होने से नही चूक पायेगी तथा इस योजना के नाम पर मलाई खाने वाले शासकीय अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों के चेहरे भी उजागर हो सकते है?

नगर की सड़कों से लेकर नर्मदा पुल के ऊपर पशुओं के बीच होने वाले टकराव के चलते वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है। इतना ही नही जिस तरह नर्मदाजी के पुल के ऊपर पशुओं का डेरा जमा रहता है वह निश्चित तौर से किसी दिन बड़ी घटना को कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंताजनक सच्चाई सामने आ रही है? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से हस प्रकार आवारा घुमने वाले पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये गुहार लगायी जाती रही है मगर इस ओर नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम हे कि आवारा जानवर सड़को पर मस्ती के मूढ में आते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है। जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये, मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है। वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टैट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है, इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नही चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है, क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गो पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूली छात्र छात्राओं सहितत आम लोगों को घायल होते हुए देखा जाता है। इसी के चलते नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित कराये तथा उन्हे उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले मे तो घंटी बॉध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्मम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात मे शामिल कर देते है।

उसराय के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों ने किया माँ की बगिया का निर्माण

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जनपद पंचायत साईंखेड़ा के जनशिक्षा केंद्र बम्होरी कला के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला उसराय में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान से प्रेरित संस्था के प्रमुख राम मनोहर चडार के उचित मार्गदर्शन में संस्था में दर्ज सभी 100 प्रतिशत विद्यार्थियों की माताओं व बच्चों को वृक्षारोपण के महत्व को समझाते हुए शाला परिसर में छात्रों की माताओं द्वारा बृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर मां के नाम एक बगिया का निर्माण किया गया। मां के नाम बगिया निर्माण के कार्य में आशा कार्यकर्ता श्रीमती मेहरा सहित बड़ी संख्या में ग्राम की अन्य महिलाओं ने भी सहभागिता दी गई। इस तरह माँ नर्मदा जी के पावन तट पर बसे ग्राम उसराय की उक्त प्राथमिक शाला के पूर्व छात्रों सहित ग्राम के गणमान्य नागरिको ने सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कर्तव्य समझकर अपने गांव के विद्यालय की वाटिका बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देखते ही देखते सुंदर बगीचे का निर्माण कर डाला। शालेय पाठ्येतर गतिविधियों के संदर्भ में प्रधान पाठक राममनोहर चडार ने सर्वप्रथम पेड़ - पौधों को मानव जीवन का अहम हिस्सा मानते हुए ईको क्लब प्रभारी शिक्षक हल्के वीर पटेल की सहभागिता से परिसर में बगीचे निर्माण की रणनीति तय की गई। वही बच्चों व उनकी माताओं की सक्रिय भागीदारी से विभिन्न औषधीय पेड़ - पौधों से युक्त बगीचे की स्थापना की गई। इस मौके पर वृद्ध महिलाओं का भी उत्साह देखने मिला तथा उन्होंने इस पुनीत कार्य में हाथ बटाया। इस प्रकार 100 प्रतिशत वृक्षारोपण की सफलता पर संकुल प्राचार्य ऊषा सिंह, बी आर सी संदीप स्थापक, प्रधानपाठक नागेंद्र सहित राघवेन्द्र चौधरी एवं जनशिक्षक सुरेंद्र सिंह राजपूत, अवधेश पटेल जनशिक्षा केंद्र के सभी शिक्षक साथियों ने खुशी व्यक्त की है। इस प्रकार स्कूली बच्चों और उनकी माताओं द्वारा लगाए गए पौधों को भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग शिक्षा मंत्रालय के एक पेड़ मां के नाम 2.0 ऐप ईको- क्लब फॉर मिशन लाइफ अंतर्गत बच्चों और उनकी माताओं के फोटो अपलोड कर सभी के सर्टिफिकेट डाउनलोड कर साझा किए गए। इस तकनीकी कार्य को ईको क्लब प्रभारी शिक्षक हल्के वीर ने पूर्ण गंभीरता और विशेष रुचि लेकर किया गया उनके इस इस सहयोगात्मक प्रयास पर विद्यालय प्रधान ने प्रसन्नता जाहिर की जा रही है।

पूरी फीस चुकाने के बाद भी 25 किलो मीटर का सफर खड़े होकर करते हुए मासूम, नियमों को किया जा रहा नजर अंदाज

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जहां एक ओर पुलिस प्रशासन से लेकर अन्य अधिकारियों द्वारा यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के नाम पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। मगर पुलिस द्वारा की जाने वाली यह कार्यवाही औपचारिकता साबित उस समय होने से नही चूक पाती है जब अन्य कोई वाहन यातायात नियमों को पूर्णरूप से दर किनार करते हुए धड़ल्ले से पुलिस की आंखों के सामने से गुजरते हुए देखे जाते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र में देखने मिल रही है जहां पर गाडरवारा से निजी स्कूलों की बसे जिस प्रकार से यहां के बच्चों को लेकर जाती है उनकी स्थिति इस प्रकार से देखने मिलती है कि मासूम बच्चे बस के अंदर बैठने की जगह खड़े होकर 25 किलो मीटर दूरी के यात्रा करने के लिए मजबूर होते हुए देखे जा रहे है? जबकि यातायात के नियमो के अनुयार जहां किसी भी शिक्षण संस्था में संचालित होने वाली बस का निर्धारित माप दंडो पर पंजीयन होना चाहिए, वही बस के अंदर उतने ही छात्रों को बैठाना चाहिए जिस आधार पर बस का पंजीयन हुआ हो..? मगर इस प्रकार से यातायात के नियमों को दर किनार करते हुए जिस प्रकार से निजी स्कूलों के बसों को दौड़ते हुए देखा जा रहा है उसके चलते जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी पूर्णरूप से खतरे में दिखाई पड़ रही है। वही दूसरी ओर अभिभावको से शिक्षण संस्था के संचालकों द्वारा बस के नाम पर पूरी फीस लेने के बाद भी उनके बच्चों को बस में खड़े होकर यात्रा करते हुए देखा जाता है? वही शासन के सभी माप दंडो को दर किनारा करते हुये इस प्रकार की बसे ठीक पुलिस चौकी के समाने से प्रतिदिन गुजरते हुए देखी जाती है। मगर इसके बाद भी पुलिस की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में दौड़ रही अनेक स्कूलों की बसों में आसानी से देखने मिल रहा है जिनमें निर्धारित मात्रा से अधिक बच्चों को भरते हुये यह बसे सड़को पर दौड़ते हुये देखी जा रही है, जिसके चलते बसों से आने जाने के नाम पर शिक्षण संस्थाओं द्वारा मनमानी फीस बसूलने के बाद भी बच्चों को खड़े होकर यात्रा करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है? जबकि शासन के नियम अनुसार किसी भी बस में क्षमता से अधिक बच्चे बैठाना नियम विरूद्व माना जाता है, मगर इसके बाद भी प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार से गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक शिक्षण संस्थाओं द्वारा पूर्णरूप से मनमानी करते हुए जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रहे है, वही दूसरी ओर प्रशासन की उदासीनता के चलते यह जान पड़ रहा है कि शायद अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जरा हो जिसके चलते इस प्रकार से मनमानी करने वाली शिक्षण संस्थाओं को अपना अभयदान देते हुये दिखाई दे रहे है।

खबर संक्षेप

बरसात में अंधेरे का साया, मुकुटपुर में बिजली संकट गहराया

डिंडौरी। समनापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुकुटपुर के ग्रामीण पिछले 15 दिनों से बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। गांव में विद्युत विभाग द्वारा सिंगल वायर कनेक्शन लगाए जाने के बाद से ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि करीब 15 दिन से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से ठप है। शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार, जब से गांव में सिंगल वायर कनेक्शन लगाया गया है, तब से बिजली की समस्या लगातार बनी हुई है। जेई को कॉल करने पर भी कोई जवाब नहीं मिलता, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों ने चेताया – नहीं सुधरी व्यवस्था तो करेंगे प्रदर्शन- ग्रामीणों ने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली की सप्लाई नहीं हो पा रही है। बरसात के मौसम में रात के समय अंधेरे के कारण कीड़े-मकोड़ों का भय बना रहता है, जिससे लोग परेशान हैं। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल ट्रांसफार्मर बदला जाए, अन्यथा स्थिति बिगड़ने पर वे सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीण राघवेंद्र सिंह राजपूत ने बताया, "खंभों की नंगी तार हटाकर 3-इन-1 सिंगल तार लगाया गया है। तभी से गांव में बिजली की समस्या बनी हुई है और इसी कारण ट्रांसफार्मर भी खराब हो चुका है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो चक्का जाम किया जाएगा।

निःशुल्क शासकीय शव-वाहन सेवा का हुआ शुभारंभ

डिंडौरी। जनता की सेवा को समर्पित एक और महत्वपूर्ण पहल के तहत शव-वाहन सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते , कलेक्टर नेहा मारव्या ने विधिवत रूप से निःशुल्क शासकीय शव वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। उक्त दोनों वाहन विधानसभा शहपुरा और विधानसभा डिंडौरी अर्थात एक वाहन डिंडौरी मुख्यालय एवं एक वाहन तहसील मुख्यालय शहपुरा में संचालित होंगे जो किन्हीं कारणों से अस्पताल में मृत्यु हो जाने पर संबंधित शव को उनके घर या शमशान घाट भेजने का काम करेगी। यह सेवा पूर्ण रूप से निःशुल्क होगी। जो हर व्यक्ति को सरलता के साथ उपलब्ध होगी यह सेवा केवल जिले के अन्दर ही सीमित होगी। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय संस्थाओं में उपचार के दौरान किसी रोगी अथवा दुर्घटना पीड़ित की मृत्यु हो जाने पर, उनके शव को निवास स्थल या शमशान घाट तक निःशुल्क पहुँचाने हेतु इस सेवा की शुरुआत की गई है। शव-वाहन सेवा का उद्देश्य सामाजिक संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए शोकसंतप्त परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करना है, जिससे उन्हें परिवहन व्यवस्था की चिंता से मुक्त किया जा सके। यह सेवा विशेष रूप से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, सिविल सर्जन डॉ. अजय राज, शासकीय शव-वाहन सेवा नोडल अधिकारी खैरराज उद्दे, 108 जिला प्रबंधक नितिन श्रीवास्तव, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा-निवृत्ति पर शिक्षक रामकुमार सोनी को दी गई सम्मानपूर्वक विदाई

डिंडोरी जिले के हाई स्कूल पिपरिया और प्राथमिक शाला चरगांव में गुरुवार को एक भावुक क्षण देखा गया, जब शिक्षा जगत से जुड़े एक समर्पित शिक्षक रामकुमार सोनी को सेवा-निवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर हाई स्कूल पिपरिया विद्यालय के स्टाफ द्वारा प्राथमिक शाला चरगांव में एक सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों, छात्रों और ग्रामवासियों ने अपनी उपस्थिति से इस क्षण को ऐतिहासिक बना दिया। समारोह की शुरुआत शिक्षक रामकुमार सोनी के तिलक वंदन और फूलमालाओं से स्वागत के साथ हुई। इसके उपरांत उन्हें शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही एक आकर्षक एवं जीवनोपयोगी उपहार देकर उनके 24 वर्षों की समर्पित सेवा के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई।

लोकार्पण को डेढ़ वर्ष बीते, अब तक नए भवन में शिफ्ट नहीं हुआ समनापुर महाविद्यालय

चार सौ से अधिक छात्र अब भी पढ़ रहे हैं अस्थायी कमरों में, बाउंड्री व सड़क निर्माण अधर में

शासन की शिक्षा को सशक्त और सुलभ बनाने की मंशा को ज़मीनी हकीकत ने फिर कटघरे में ला खड़ा किया है।

हरिभूमि न्यूज समनापुर।

जनपद मुख्यालय समनापुर में करीब 617.82 लाख रुपये की लागत से बना महाविद्यालय भवन, जिसका लोकार्पण 6 अक्टूबर 2023 को धूमधाम से हुआ था, आज डेढ़ वर्ष बाद भी वीरान पड़ा है।जबकि इस भवन को निर्माण के तुरंत बाद शासकीय महाविद्यालय समनापुर को सौंपने की घोषणा की गई थी, परंतु अब तक कॉलेज का संचालन पुराने, अस्थायी कमरों से ही हो रहा है, जहां 400 से अधिक विद्यार्थी तमाम असुविधाओं के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

बाउंड्री वॉल नहीं बनी, सुरक्षा पर खतरा

महाविद्यालय भवन की सबसे गंभीर समस्या सुरक्षा से जुड़ी है। भवन के ठीक पीछे पहाड़ी क्षेत्र है, जिससे बारिश के दौरान मिट्टी खिसकने की संभावना लगातार बनी रहती है। पहले भी एक बार दीवार ढह चुकी है, फिर भी बाउंड्री वॉल का निर्माण नहीं हुआ है।कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने लोक निर्माण विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि —शिक्षा के नाम पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं, पर जिम्मेदार अधिकारी विद्यार्थियों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

सड़क से कॉलेज तक पहुंच में भी खतरा

समनापुर-बम्हनी मुख्य मार्ग से कॉलेज भवन तक का रास्ता लगभग 100 मीटर का है, जिसे पहाड़ी काटकर बनाया गया है। ढलान में बना यह रास्ता मुख्य मार्ग से जुड़ता है, पर वहां अतिक्रमण और मोड़ के कारण वाहन नहीं दिखते, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।कॉलेज प्रशासन और स्थानीय लोगों ने सुरक्षित सड़क निर्माण और संकेतक लगाए जाने की मांग की है।

लोकार्पण पूर्व ही कराया निर्माण अधूरा

यह भी उल्लेखनीय है कि भवन का लोकार्पण उस समय कराया गया था, जब न तो सुरक्षा दीवार बनी थी, न बिजली-पानी की पूरी व्यवस्था, और न ही विद्यार्थियों की पहुँच की सड़क तैयार थी। यह दर्शाता है कि अधिकारियों ने केवल औपचारिकता निभाने के लिए लोकार्पण कर दिया था, जबकि कार्य अभी अधूरा था।

अब सवाल ये हैः

करोड़ों की लागत से तैयार भवन का उपयोग कब शुरू होगा?

क्या शिक्षा विभाग और लोक निर्माण विभाग छात्रों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं?

क्या लोकार्पण को मात्र दिखावा मान लिया जाए?

इनका कहना है-

भवन की स्थिति को लेकर हमने विभागीय अधिकारियों को पत्र लिखा है। बाउंड्री वॉल, सुरक्षा दीवार और मुख्य मार्ग से कनेक्टिव सड़क के निर्माण के लिए कई बार अनुरोध किया गया है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई।

-चैनसिंह परस्ते प्राचार्य महाविद्यालय समनापुर

जरूरत इस बात की है कि महाविद्यालय भवन का द्वितीय निरीक्षण हो, बाउंड्री वॉल व सड़क को शीघ्र प्राथमिकता में लेकर निर्माण पूरा कराया जाए, और हम छात्रों को सत्र 2025-26 से नए भवन में पढ़ाई का अधिकार मिले।

अन्यथा हड़ताल करेंगे

-प्रवेश चौबे महाविद्यालय छात्र

स्वच्छता पखवाड़ा के समापन कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जन शिक्षण संस्थान डिण्डौरी द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का समापन कार्यक्रम का आयोजन संस्थान परिसर पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के वन्दना से किया गया। संस्थान द्वारा आंमत्रित विशेष अतिथि नेहरू युवा केन्द्र डिण्डौरी से आर पी कुशवाहा एंव समाज सेवी अमर सिंह परमार जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। आशीष तिवारी कार्यकारी निदेशक द्वारा अतिथि स्वागत उपरांत कार्यक्रम के विषय में बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा संस्थान द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 जुलाई से 31 जुलाई तक विविध गतिविधियो के माध्यम से संचालित किया गया। जिसमें जिले के समस्त प्रशिक्षण केन्द्रो पर कार्यशाला, गोष्ठी, स्वच्छता रैली, सफाई अभियान, जागरूकता कार्यक्रम, एंव स्वच्छता आधारित प्रतियोगियाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 15 दिवसीय स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी करने वाले प्रतिभागीयो को संस्थान की तरफ से विशेष प्रसस्ति पत्र एंव पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिले के कई प्रशिक्षण केन्द्रो पर आयोजित स्वच्छता प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागीयो को भी प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सुश्री दुर्गेश्वरी (माही) को विशेष स्वच्छता पुरस्कार प्रदान दिया गया जिन्होने मैया अभियान में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के अन्त में नेहरू युवा केन्द्र आर पी कुशवाहा द्वारा स्वच्छता अभियान की परिकल्पना एंव उददेश्य के विषय में बताया एंव सभी प्रतिभागीयो के साथ स्वच्छता शपथ ग्रहण किया गया। संस्थान परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षोरोपण किया। कार्यकारी निदेशक महोदय द्वारा समस्त प्रतिभागीयो, अतिथियो एंव प्रशिक्षको का आभार व्यक्त किया एंव कार्यक्रम समापन की घोषणा किया।कार्यक्रम में मंच संचालन चन्दन चौहान कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया। प्रतिभागी पंजीयन एंव स्वागत क्षेत्र प्रभारी लक्ष्मी टेकाम, कार्यक्रम प्रबंधन मिथलेश मरावी सहायक कार्यक्रम अधिकारी के साथ लक्ष्मी नारायण बर्मन एंव चन्दर सिंह की सहभागिता रही। कार्यक्रम में प्रशिक्षक अंजली यादव, अंजनी मरावी, प्रभा उरैती, गंगा मलिक, सुखवती, आरती यादव, गौरी नन्दा, जान्हवी नन्दा, वर्षा प्रजापति, दिगम्बरी गवाले, लक्ष्मी मार्को के साथ उनके लाभार्थी भी उपस्थित रहे।

नर्मदा परिक्रमा पथ पर बनेंगे आश्रय स्थल

सात नदियों के उद्गम पर होगा वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा डिंडौरी जिले में नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हित स्थलों पर आश्रय स्थल निर्माण तथा नदियों के उद्गम स्थलों पर वृक्षारोपण के लिए तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इस संबंध में जिला पंचायत सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, उपयंत्री, सहायक यंत्री एवं जनपद पंचायतों के सीईओ उपस्थित रहे।

उद्गम स्थलों पर फेंसिंग और वृक्षारोपण को मिली स्वीकृति- डिंडौरी जिले से निकलने वाली सात प्रमुख नदियों — बुढनेर (चांडा, बजाग), तुराड (चौरादादर, करंजिया), लमती (धनुवासागर, डिंडौरी), सिलगी (छिवलीमाल), दनदना (राई, मेंहदवानी), छोटी महानदी (टिकरासरई, शहपुरा) और कसा नदी (संग्रामपुर) के उद्गम स्थलों पर फेंसिंग और वृक्षारोपण का कार्य कराया जाएगा। इस कार्य के लिए शासन द्वारा आवश्यक बजट और कार्ययोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है।

नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों का होगा निर्माण- नर्मदा परिक्रमा पथ पर यात्रियों की सुविधा के लिए चिन्हित ग्राम पंचायतों में आश्रय स्थलों के लिए भूमि चिन्हित कर फेंसिंग और वृक्षारोपण की स्वीकृति दी गई है। यह कार्य जनपद पंचायत अमरपुर, डिंडौरी, बजाग, करंजिया और शहपुरा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों — जैसे रमपुरी, उदरी माल, केवलारी, रूसा, गारकामट्टा, मालपुरमाल आदि — में किया जाएगा।

निर्देशों का पालन अनिवार्य, नहीं होगा राशि का अन्य उपयोग- सीईओ जिला पंचायत श्री राठौर ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित ग्राम पंचायतें शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य प्रारंभ करें। कार्य प्रारंभ से पूर्व भूमि का राजस्व रिकॉर्ड से सत्यापन, आरक्षण एवं आवंटन कराते हुए पंचायत दर्पण पोर्टल पर वर्क कोड बनाना आवश्यक होगा। किसी अन्य कार्य में स्वीकृत राशि का उपयोग नहीं किया जा सकेगा, और कार्य निरस्त होने की स्थिति में राशि शासन को लौटानी होगी। कार्य की निगरानी हेतु जनपद पंचायतों के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्थल परिवर्तन की स्थिति में मांगा जाएगा विस्तृत प्रतिवेदन- यदि किसी स्थान पर कार्य संभावित नहीं है तो उस स्थिति में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, उपयंत्री एवं सीईओ जनपद पंचायत की संयुक्त अनुशंसा के साथ विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा ताकि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और परिक्रमा पथ की संरचना को मजबूती मिल सके।

पर्यावरण संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधा की दिशा में अहम कदम- यह योजना डिंडौरी जिले में पर्यावरण संरक्षण, धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन तथा ग्राम स्तर पर हरित विकास को बढ़ावा देने का एक सशक्त प्रयास है। नर्मदा परिक्रमा जैसे धार्मिक महत्व के मार्ग को संरक्षित करना और साथ ही जल स्त्रोतों के मूल स्थानों को सुरक्षित कर वृक्षारोपण करना जिले की स्थायी विकास नीति की एक बड़ी उपलब्धि साबित हो सकती है।

नगर परिषद शहपुरा में मस्टर घोटाला: अध्यक्ष, सीएमओ और शाखा प्रभारियों पर पूर्व पार्षद ने लगाए सनसनीखेज आरोप

कलेक्टर को सौंपी RTI दस्तावेजों सहित शिकायत

हरिभूमि न्यूज शहपुरा

नगर परिषद शहपुरा में पदाधिकारियों द्वारा मस्टर पर फर्जी नियुक्तियों का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसे पूर्व पार्षद राजेश चौधरी ने प्रशासन के समक्ष उजागर किया है। चौधरी ने कलेक्टर को एक विस्तृत लिखित शिकायत सौंपी है, जिसमें सूचना के अधिकार अधिनियम (RTI) के अंतर्गत प्राप्त दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। इन दस्तावेजों के अनुसार परिषद अध्यक्ष, प्रभारी सीएमओ, शाखा प्रभारी और अन्य अधिकारियों ने मिलकर शासन के नियमों की खुली धज्जियां उड़ाते हुए अवैध नियुक्तियां की हैं, आर्थिक घोटाले को अंजाम दिया है और पारदर्शिता को तिलांजलि दी है।

शिकायत में खुलासा हुआ है कि नगर परिषद में बिना किसी सार्वजनिक सूचना, बिना आरक्षण रोस्टर के पालन और बिना आवश्यक दस्तावेजों की जांच के मस्टर कर्मियों को भर्ती किया गया। इतना ही नहीं, परिषद की बैठक में फर्जी प्रस्ताव तैयार कर उसे पास दिखाया गया और परिषद के नियमित कर्मचारियों को बाहर कर नए चेहरों को मोटी रकम लेकर मस्टर पर रख लिया गया। शिकायतकर्ता ने इस पूरी प्रक्रिया को "सुनियोजित भ्रष्टाचार" करार देते हुए इसकी सीबीआई या आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) से जांच की मांग की है।

फर्जी प्रस्ताव और चुपचाप की गई नियुक्तियां

राजेश चौधरी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 09 अप्रैल 2025 की पीआईसी बैठक में एक फर्जी प्रस्ताव क्र. 16 के तहत पास दिखाया गया, जिसमें बिना परिषद सदस्यों की सहमति और जानकारी के मस्टर कर्मचारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। पी आई सी की बैठक दिनांक 09/04/25की बैठक का एजेंडा जारी किया गया है उसमें मस्टर में भर्ती किये जाने का एजेंडा था ही नही,शिकायत में कहा गया कि यह प्रस्ताव चोरी-छिपे तैयार किया गया और इसके पीछे आर्थिक लेन-देन की भूमिका स्पष्ट है। यह कार्रवाई नगर परिषद की गरिमा, पारदर्शिता और लोक विश्वास पर सीधा हमला है।

RTI। दस्तावेजों ने खोली पोल

शिकायत के साथ RTI के तहत प्राप्त दस्तावेजों को संलग्न किया गया है, जिनसे कई विसंगतियां उजागर होती हैं। RTI में प्राप्त प्रश्नांक 01 से 58 तक की जानकारी में यह सामने आया है कि जल प्रदाय हेतु जिन 6 कर्मचारियों की अनुशंसा की गई थी, वहां वास्तव में 8 लोगों को रखा गया। फायर ब्रिगेड के लिए 4 की जगह 2 की नियुक्ति की गई। यह सीधे-सीधे नियुक्तियों में गड़बड़ी और फर्जीवाड़े को दर्शाता है।

बिना योग्यता, बिना प्रशिक्षण, फर्जी कर्मचारियों की भरमार

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि जिन कर्मचारियों को मस्टर पर रखा गया है, उनके पास न तो किसी प्रकार का शैक्षणिक प्रमाण पत्र है, न ही कोई तकनीकी प्रशिक्षण। फायर ब्रिगेड में लगाए गए कर्मचारी बिना किसी प्रशिक्षण के नियुक्त किए गए, जिससे जन-जीवन की सुरक्षा भी खतरे में पड़ी हुई है। वाहन चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं है, और न ही कोई आवेदन पत्र फाइल में मौजूद है।

पुराने कर्मचारियों को हटाकर, रुपए लेकर नए भर्ती किए गए

सबसे गंभीर आरोप यह है कि नगर परिषद ने पहले से कार्यरत मस्टर कर्मचारियों को यह कहकर बाहर कर दिया कि परिषद की आर्थिक स्थिति खराब है। लेकिन इसी दौरान गुपचुप तरीके से रुपए लेकर नई भर्तियां कर ली गईं। पुराने कर्मचारियों को 4 से 5 महीने का वेतन भी नहीं दिया गया। जब उन्होंने पुनः नौकरी की मांग की तो उनसे दो-दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई। यह पूरा घटनाक्रम भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है, जो सीधे-सीधे गरीबों के पेट पर लात मारने जैसा है।

अपने पुत्र को रखा मस्टर पर, भुगतान पर खुद किए हस्ताक्षर

जल प्रदाय विभाग के शाखा प्रभारी शिवकुमार यादव पर आरोप है कि उन्होंने अपने ही पुत्र को अपने ही विभाग में मस्टर पर रखा और उसका भुगतान स्वयं हस्ताक्षर कर निकाला। यह न सिर्फ नैतिकता का उल्लंघन है बल्कि प्रशासनिक प्रणाली के साथ विश्वासघात है। शिकायतकर्ता का दावा है कि ऐसे और भी कई उदाहरण हैं जहां परिषद के पदाधिकारियों ने निजी लाभ के लिए अपने परिजनों को सरकारी नौकरी में घुसाया है।

तारीखों में घोटाला, दस्तावेजों की छेड़छाड़ उजागर

फाइल में दर्ज तारीखों से भी स्पष्ट होता है कि घोटाला संगठित और सुनियोजित था। फाइल में दिनांक 1 मई 2025 को प्रभारी सीएमओ द्वारा स्वीकृति दी गई, जबकि शाखा प्रभारी द्वारा उसी फाइल में कार्यदिशा हेतु स्वीकृति 30 अप्रैल 2025 को ली गई। इसका सीधा मतलब है कि स्वीकृति पहले दी गई और प्रक्रिया बाद में पूरी हुई, जो समय के क्रम में असंभव है और इससे यह साबित होता है कि फाइलों में जबरन फेरबदल की गई।

ठेकेदार को लाभ पहुँचाने के लिए हुई नियुक्तियां

शिकायत में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है कि अवैध रूप से मस्टर पर रखे गए कर्मचारी ठेकेदारों के कार्य में मदद कर रहे हैं। जनता के टैक्स के पैसे से भुगतान पाने वाले कर्मचारी ठेकेदारों के निजी हितों के लिए लगाए गए हैं। यह घोर आपत्तिजनक और सरकारी धन का दुरुपयोग है। इसका उद्देश्य परिषद अध्यक्ष और पदाधिकारियों को आर्थिक लाभ पहुंचाना और ठेकेदारों से हिस्सेदारी प्राप्त करना है।

न तो रोस्टर, न ही सूचना पत्र, पारदर्शिता गायब

शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद न तो आरक्षण रोस्टर का पालन किया गया और न ही नगर परिषद ने किसी प्रकार की सूचना आम जनता को दी। न ही कार्यालय के सूचना पटल पर जानकारी प्रदर्शित की गई और न ही नगर के प्रमुख स्थलों पर कोई सूचना चस्पा की गई। इससे यह स्पष्ट होता है कि नियुक्तियां पहले से तय व्यक्ति विशेष के लिए की गई थीं।

कर्मचारियों की पीड़ा, चक्कर काट रहे हैं कार्यालय के

कई पुराने मस्टर कर्मचारी अब भी वेतन पाने के लिए नगर परिषद कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उधर, नए भर्ती कर्मचारी बिना किसी प्रमाण पत्र या अनुभव के नियमित भुगतान पा रहे हैं। यह दोहरी नीति प्रशासन और व्यवस्था दोनों के लिए शर्मनाक है।

मामला गंभीर, जांच की मांग

पूर्व पार्षद राजेश चौधरी ने इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे उच्च न्यायालय और भ्रष्टाचार विरोधी संस्थानों का दरवाजा खटखटाएंगे।

खबर संक्षेप

आज निकलेगी बाबा बर्फानी की भव्य शाही पालकी

गोटेगांव- श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीधाम क्षेत्र की पावन धरा पर आज दिन शुक्रवार को सांयकाल 5 बजे बाबा बर्फानी की भव्य झांकी एवम्‌ बाबा महाकाल की शाही पालकी सवारी निकाली जावेगी। बाबा बर्फानी की झांकी एवम्‌ बाबा महाकाल की शाही पालकी स्थानीय टीले के पास नरसिंहपुर रोड के पास स्थित मुस्कान ट्रेडर्स से प्रारंभ होकर खरया पेट्रोल पंप से फुव्वारा चौक, अलका टाकीज रिपटा रोड, राम मंदिर, भगत राम चौराहा सराफा बाजार, ठाकुर बाबा मंदिर होते हुये माता-महाकाली मंदिर पानी रटंकी के पास जबलपुर रोड में संपन्न होगी। इस अवसर पर जय श्री महाकाल ग्रुप एवम्‌ पागल अधोरी टीम जबलपुर द्वारा माता महाकाली व नंदी पर सवार भोलेनाथ व माता पार्वती की अनुपम झांकियां प्रस्तुत की जावेगी। इसके साथ ही सागर की विख्यात डमरू ग्रुप आर.टी.धमालपार्टी व राजधानी भोपाल के कलाकारों द्वारा शोभायात्रा के आगे-आगे रागोली की विशेष प्रस्तुति प्रदान की जावेगी। भव्य एवं दिव्यआयोजन के अवसर पर स्थानीय भगतराम चौराहा पर बैदिक ब्राम्हणों व्दारा बाबा अमरनाथ एवं बाबा महाकाल की महाआरती का आयोजन किया जावेगा। समस्त सनातनी धर्म प्रेमी सज्जनों एवम्‌ माता बहिनों सहित संपूर्ण क्षेत्र के श्रद्धालु बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील आयोजक समिति के सचिन बरडिया मोनू जितेन्द्र राय मटरवाले ने की है

भगवान दास साहू तेलघानी बोर्ड बोर्ड मध्य प्रदेश शासन के विधानसभा प्रभारी नियुक्त

गोटेगांव। साहू समाज उत्थान मंडल के संयोजक साहू समाज के अध्यक्ष तथा पेंशन समाज गोटेगांव के तहसील अध्यक्ष का दायित्व निभाने वाले भगवान दास साहू सेवानिवृत शिक्षक को कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त तेलघानी बोर्ड मध्य शासन के अध्यक्ष माननीय रविकिरण्‌ साहू ने गोटेगांव विधानसभा 118 का विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया है तेलघानी बोर्ड का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के कार्यों का संपादन करना है भगवान दास साहू की नियुक्ति पर बोर्ड के कार्यों के साथ-साथ विधानसभा के समस्त सामाजिक बंधनों के साथ विभिन्न वर्गों तक लाभ प्राप्त होगा! श्री साहू की नियुक्ति पर साहू समाज गोटेगांव के सभी सामाजिक बंधुओ पेंशनर समाज के सभी सदस्यों के साथ ईस्ट मित्रों ने बधाई दी, बधाई देने वालों में शिवशंकर साहू ओमप्रकाश साहू प्रदीप साहू संजय साहू भोला साहू पत्रकार आशीष साहू घनश्याम साहू पवन साहू अईता साहूपंचम साहू गोलू साहू हरीश साहू गुलाब साहू शिक्षक ने स्वागत कर बधाई दी !

प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए 2 अगस्त को सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों अभ्यर्थी

नरसिंहपुर। जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत वर्ष 2025- 26 में अंकाक्षा योजनांतर्गत नीट, जेईई एवं सीएलएटी की प्रतियोगी परीक्षा की कोचिंग के लिए 2 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे से 2.30 बजे तक जिला स्तरीय बालक उत्कृष्ट छात्रावास नरसिंहपुर के खेल मैदान के पास में परीक्षा केन्द्र में आयोजित की जा रही है। उक्त परीक्षा में अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन के साथ सभी दस्तावेज की प्रति के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है। यह जानकारी जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग नरसिंहपुर ने दी है।

कलेक्टर शीतला पटले की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर यातायात व्यवस्था का संचालन करें

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का बेहतर रूप से संचालन करने के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर ब्लैक स्पॉट, गति सीमा, यातायात नियमों का पालन, सड़क निर्माण कार्यों के दौरान डायवर्सन मार्ग के संकेत, जेब्रा क्रॉसिंग, ब्रेकर, नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई और विगत वर्षों में सड़क दुर्घटना से मृतकों का तुलनात्मक स्थिति के संबंध में चर्चा की गई। जिससे सड़क मार्ग में होने वाली दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाई जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, एसडीएम नरसिंहपुर श्री मणिन्द्र कुमार सिंह, जिला परिवहन अधिकारी, यातायात प्रभारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बैठक में जिले के सड़क मार्गों में ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) की समीक्षा की। उन्होंने ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन कराने के निर्देश दिए,

जिससे ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में थाना क्षेत्रांतर्गत होने वाले सड़क दुर्घटनाओं तथा उनके कारणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले की सड़कों की मरम्मत की स्थिति के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने बिना हेलमेट, बिना ड्रायविंग लायसेंस और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सड़कों की व्यवस्था दुरूस्त रखने के लिए नियमित रूप से सड़क मार्गों की स्थिति पर निगरानी रखने को कहा। ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में सांकेतिक चिन्ह एवं दुर्घटना के बचाव के लिए समुचित व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि सड़क के मोड़ और साईड शोल्डर में सुधार करें और सड़कों के आसपास की झाड़ियों की कटाई की जाये, जिससे वाहन दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि सांकेतिक चिन्ह के बोर्ड सड़कों पर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। आयोजित बैठक में सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्तियों के लिए एम्बुलेंस तथा आपतकालीन चिकित्सा सुविधा के संबंध में समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि दुर्घटना से पीड़ित व्यक्तियों को मुआवजा देने की कार्रवाई का निपटारा निर्धारित समय सीमा में करें। इसके लिए विभागीय अधिकारी निर्धारित समय में आवेदकों से आवेदन पत्र प्रस्तुत करवा लें। बैठक में वाहनों और दोपहिया वाहन की दुर्घटना से मृत्यु होने के संबंध में भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के संबंध में होर्डिंग्स या पोस्टर के माध्यम से प्रचार- प्रसार किया जाए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों की दुकानें व्यवस्थित तरीके से लगाने के निर्देश दिए। दुकानदार दुकान लगाने के लिए सड़क मार्ग में अतिक्रमण न करें, जिससे यातायात व्यवस्था बाधित न हो। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में राहवीर योजना एवं हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना, पीड़ित प्रतिकार योजना 2022 की भी समीक्षा की। उन्होंने सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को राहवीर योजना से लाभांवित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नशे की हालत में वाहन चलाने पर होने वाले सड़क दुर्घटना के प्रकरणों के संबंध में भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने नरसिंहपुर से कंजई ग्राम तक सड़क मार्ग का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने गुरूवार को नरसिंहपुर जिले से जबलपुर मार्ग के ग्राम डोकरघाट, इमलिया, गोटेगांव, गोटेगांव के जगदीश तिराहा से कंजई तक सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों से सड़क मार्ग में होने वाले सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में चर्चा की गई। सड़क मार्ग में ब्लैक स्पॉट, डायवर्सन मार्ग के संकेत, जेब्रा क्रॉसिंग, ब्रेकर और दुर्घटना संभावित क्षेत्र होने पर क्रासिंग/ ओव्हर टेक न करें इत्यादि स्थलों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोटेगांव श्रीमती देवंती परते, थाना प्रभारी श्री प्रदीप सराफ सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने इन सड़क मार्गों में मुख्य रूप से संभावित दुर्घटना स्थल ब्लैक स्पॉट स्थल के बारे में विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली। ब्लैक स्पॉट स्थल पर सांकेतिक चिन्ह लगे थे, जिससे ब्लैक स्पॉट के संबंध में वाहन चालकों को जानकारी मिल सके, जिससे किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना न हो। उन्होंने सड़कों की मरम्मत और सड़क मार्गों के निर्माण कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सड़कों के साईड शोल्डर में सुधार और सड़कों के आसपास की झाड़ियों की कटाई करने को कहा, जिससे सड़क मार्ग में दुर्घटना की संभावना न रहे।

किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त 2 अगस्त को होगी जारी

किसान सम्मान निधि योजना को "पीएम किसान दिवस" के रूप में मनाया जायेगा

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी, उत्तरप्रदेश से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किस्त का वितरण 2 अगस्त 2025 को करेंगे। इस वितरण दिवस को ₹पीएम किसान दिवस₹ के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हितग्राहियों को वर्ष में कुल 6 हजार रुपये की तीन समान किस्तों में राशि प्रदान की जाती है। जिला स्तरीय कार्यक्रम अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर आयोजित करेंगे और ब्लॉक स्तर पर सभी तहसीलदार/ नायब तहसीलदार कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

जिले में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। कार्यक्रम में प्रोजेक्टर/ बड़ी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का प्रसारण किया जाए। जिले की ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था की जाये। योजनांतर्गत पटवारियों को नियत ग्राम के लिए विलेज नोडल अधिकारी नामांकित किया गया है। अतः सभी विलेज नोडल अधिकारी को कार्यक्रम में वर्चुअली सम्मिलित किया जाए। विलेज नोडल अधिकारी संबंधित कृषकों को भी कार्यक्रम में वर्चुअली सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करेंगे। हितग्राहियों को किस्त प्राप्त करने के लिये ईकेवायसी, आधार एवं बैंक खाता लिंकिंग एवं पीएम किसान पोर्टल पर स्टेटश अवलोकन करने संबंधी जानकारी प्रदान करेंगे। अधिक से अधिक किसानों को कार्यक्रम से जुड़ने के लिए अवगत कराया जाये। कार्यक्रम से जुड़ने के लिए https:/pmindiaweb-cast.nic.in लिंक का उपयोग किया जा सकता है। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी भू- अभिलेख नरसिंहपुर ने दी है।

एन एच आई की खामियों का खामियाजा भुगत रहे देवरी के वाशिंदे

गांव में भरा पानी, निकासी के नहीं की उचित व्यवस्था

तेंदूखेड़ा। विगत तीन दिनों तक हुई लगातार तेज वारिस से तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में जहां बाढ़ की स्थिति देखने को मिली वहीं विभिन्न नदियों में बाढ़ का पानी होने से सड़क मार्ग भी बंद रहें। गांवों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों के घरों में रखा अनाज भीग गया तथा मवेशियों को खाने के लिए रखा भूसा भी खराब हो गया है। चूंकि बरसात से संपूर्ण क्षेत्र प्रभावित तो हुआ ही है। लेकिन कुछ प्रशासनिक व्यवस्थाओं के कारण भी लोगों

को परेशान होना पड़ा है।ऐसा ही एक उदाहरण राजमार्ग देवरी में देखने को मिला है। एन एच आई द्वारा फोर लेन निर्माण कार्य के दौरान राजमार्ग चौराहे से लेकर मदनपुर तक जिस तरह से गुणवत्ता को ताक पर रखकर काम किया है उसका खामियाजा लगभग हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा है। मुख्य सड़क मार्ग की ऊंचाई के हिसाब से बड़ी बड़ी नाले नुमा नालियां बनाई जरुर गई है। लेकिन इनमें से पानी ही नहीं निकल पा रहा है। एप्रोच सड़क मार्ग ही नहीं बनाये गये हैं। नालियां बनाई भी गई है तो निर्माण का मटेरियल आज तक साफ नहीं होने से पानी मुख्य सड़क मार्गों पर बहने के साथ निचाई वाले क्षेत्रों में भरता है।यही सभी हालात देवरी में बनें हुए हैं। यहां पर बनें नाले में आये दिन मवेशी भी गिरते रहें हैं। बरसात का पानी के साथ साथ पांडाझिर नदी में बाढ़ का पानी का ढिलाव एक साथ हो जाने से देवरी गांव में पानी भर गया और यह पानी विशेष रूप से किसानों के लिए पीड़ादायक सिद्ध हो गया। मवेशियों का भूसा भी खराब हो गया है।

बाढ़ के पानी से होकर जाना पड़ रहा है स्कूल

देवरी गांव की यह स्थिति बनीं हुई है कि यहां की प्राथमिक शाला पानी में आधी बिल्डिंग डूब गई है। और यहां के शिक्षक इसी जलभराव से होकर आने जाने मजबूर बनें हुए हैं।जब तक पानी अलग नहीं होगा तब तक समस्या ही समस्या बनीं हुई है। यहां पर प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की कोई उचित व्यवस्था नहीं कराई गई है।केवल बाढ़ में फंसे लोगों को रेस्क्यू टीम से सुरक्षित निकाल कर अपना दस्तूर कर दिया है।

ट्रेक्टर लेकर लोगों की सहायता करने पहुंचे पूर्व विधायक संजय शर्मा

देवरी अपने गृह ग्राम में बनीं जल प्लावन की स्थिति को देखते हुए संपूर्ण ग्राम में ट्रेक्टर स्वयं चलाते हुए समस्या से घिरे लोगों के घर पहुंचे और यथासंभव प्रयास कर मदद की गई। गौरतलब रहे कि देवरी गांव में प्रतिष्ठित कृषक भी है जिनके यहां बड़ी संख्या में अनाज के बोरे बारिस से खराब हुये है।

गुमशुदा पुरुषोत्तम के शव मिलते ही परिजनों ने जताई हत्या की अशंका

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खैरी कला निवासी पुरुषोत्तम पटेल 45 वर्ष बगैर किसी सूचना के घर से कहीं चले गए थे।जिसकी गुमशुदा की सूचना पुलिस थाना तेंदूखेड़ा में दर्ज कराई गई थी। परिवार के लोग पुरुषोत्तम की पता साजी में जुटे हुए ही थे कि ग्राम रम्पुरा के समीप अमलतास वेयर हाउस के पीछे तरफ पानी में नग्न अवस्था में पड़े शव को कुछ लोगों ने देखा कि अज्ञात शव पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने गुम इंसान की जानकारी के तहत शिनाख्त के आधार पर पुरुषोत्तम पटेल के नाम पर पुष्टी करते हुए तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे कि पीछे से पहुंचें परिजनों ने हत्या की अशंका जाहिर की है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि गांव का ही एक व्यक्ति जो कि पुरुषोत्तम को घर से लेकर गया हुआ था और शराब के नशे में दोनों मुख्य सड़क मार्ग पर घूमते हुए देखे गये थे।बाद में पुरुषोत्तम घर नहीं पहुंचा

था जबकि साथ लेकर जाने वाले व्यक्ति को उसके परिजन उसे घर लिवा लाये थे। पुरुषोत्तम दो दिन तक घर नहीं पहुंचा था यहां पर मृतक के परिजनों को संदेह हो रहा है जिसका एक कारण यह भी है कि मृतक के शरीर पर लंबें लंबे दो तीन जगह घाव भी देखनें को मिलें हैं। परिजनों ने हत्या की अशंका जताई है और आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग करते हुए हत्या का मामला दर्ज करने की बात कही है।

इनका कहना है

बुधवार को रम्पुरा के समीप अमलतास वेयर हाउस के पीछे तरफ एक शव मिला है उसकी शिनाख्त पुरुषोत्तम पटेल 45 वर्ष ग्राम खैरी के रुप में की गई है।जिसकी दो दिन पूर्व ही गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई थी। परिजनों ने हत्या का अशंका जताई है। संबंधित आरोपी को पुलिस थाने में ले आये है तथा शव परीक्षण दो डाक्टरों की टीम द्वारा किया जा रहा है।पी एम रिपोर्ट तथा जांच के उपरांत जो तथ्य निकलकर सामने आयेंगे उस आधार पर मामला पंजीबद्ध कर लिया जाएगा।

सौरभ पटेल
नगर निरीक्षक तेंदूखेड़ा

आफत की बरसात अब गिर रहे जर्जर भवन

तेंदूखेड़ा। पिछले दो-तीन लगातार हुई वारिस लोगों की आफत सिद्ध हो रही है। स्थिति यह बनीं हुई है कि पुराने जर्जर भवन अब जमीं दोज हो रहें हैं।

पुरानी अस्पताल की दीवार गिरी

तेंदूखेड़ा के मुख्य बाजार में स्थित शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का जर्जर भवन की दीवार इस बरसात में जमींदोज हो गई है।यह भवन काफी लंबे समय से जर्जर स्थिति में पड़ा हुआ है जिसमें आये दिन अनैतिक गतिविधियां संचालित होती रहतीं हैं।इस भवन को अलग कर यहां पर व्यवसायिक काम्प्लेक्स बनाये जाने की मांग काफी लंबे समय से चली आ रही है। लेकिन इस तरफ जिला प्रशासन द्वारा कोई उचित कार्यवाही नहीं का जा रही है।

सर्रा बंधी में प्राथमिक शाला का जर्जर भवन हो रहा धराशाई

चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से सरकारी स्कूलों की बहुत ही दयनीय स्थिति बनीं हुई है। शिक्षा विभाग को इनकी जानकारी भेज दी गई है।

इनमें कुछ की डिस्मेंटल कार्यवाही हो गई है लेकिन कुछ भवन अभी भी जर्जर स्थिति में पड़े हुए हैं। जिसमें छात्र छात्राएं बैठकर अध्यापन कर रहे हैं। विगत दिनों अनवरत जारी वारिस से स विगत र्रा बंधी में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भवन का एक हिस्सा धराशाई हो गया। यहां के छात्रों को समीप के अतिरिक्त कक्ष में

मूंग उपार्जन में फैल हुआ जिला प्रशासन

नरसिंहपुर। जिले के गोटेगांव स्थित भारतीय किसान संघ इकाई गोटेगांव के अथक प्रयास के बाद जैसे तैसे सरकार ने मूंग उपार्जन की अनुमति दी मगर नरसिंहपुर जिला प्रशासन ने किसानों को अत्यधिक परेशान कर दिया। कंप्यूटर ऑपरेटर दलालों से मिलकर स्लॉट बुकिंग में भारी अनियमिताएं कर रहे हैं। 11 बजे रात को स्लॉट बुकिंग बताती है कि कुछ तो गड़बड़ है। इसकी जांच होनी चाहिए। दलालों द्वारा Non FAQ मूंग, उड़द वेयरहाउस में रखी जा रही है। जिसका खामियाजा आगे किसान को भुगतना पड़ता है, जिसमें वेयर हाउस मालिक समिति प्रबंधक भी शामिल है। कहीं स्लॉट बुकिंग समस्या, कहीं बेयर हॉउस फुल हो जाने की समस्या, कहीं 6 - 6 दिन से लाईन में लगे ट्रेक्टर, ट्राली पर तंबू बनाकर सोते व मच्छरों से परेशान किसान, हर केंद्र पर 100₹ से लेकर 300₹/क्विंटल की लूट बताती है कि ऊपर बैठे अधिकारी किस तरह की लापरवाही कर रहे हैं। ये लूट की राशि कहाँ बटेगी यह जांच का विषय है। चुप बैठे जन प्रतिनिधि क्या चाह रहे हैं कि किसान इसी तरह की परेशानी झेलने के लिए पैदा हुआ। बुआई के समय DAP के लिए लाईन, बाद में यूरिया के लिए लाईन, ट्रांसफार्मर जला तो लाईन, पंजीयन के लिए लाईन, रबी की फसल बेचने की लाईन, ग्रीष्म कालीन मूंग के लिए खाद की लाईन, मूंग बेचने की लाईन, फिर खरीफ़ के लिए खाद की लाईन, फिर से यूरिया की लाईन, धान बेचने की लाईन मतलब किसान लाईन में लगा लगा ही मर जायेगा पर लाईन का क्रम नहीं टूटने वाला। जिले में दो दो मंत्री हैं पर किसानों के लिए किसी के पास समय नहीं है। मानो मूंग उपार्जन केंद्र को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से असफल होने के साथ-साथ फेल साबित नजर आ रहा है जबकि रोजाना इस मूसलाधार बारिश में उपार्जन केंद्रों पर लंबी-लंबी किसने की ट्रैक्टर ट्रालियों की लाइन लगी हुई है लेकिन उन्होंने किसी प्रकार से कोई भी समुचित व्यवस्थाएं नहीं हो पाएंगे साथ ही टेक्निकल परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है जिससे जिले भर के किसानों में जिला प्रशासन के विरुद्ध भारी रोष व्याप्त है, आक्रोशित किसानों ने जिला प्रशासन से व्यवस्थाएं सुधार हेतु मांग कर रहे हैं !

जहां जन्मदिन पर केक कटते हैं, वहां इन्होंने चरणों में शीश नवाया

गोटेगांव। समीपवर्ती धार्मिक स्थल झोतेश्वर परमहंसी गंगा आश्रम स्थित ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामीस्वरूपानंद सरस्वतीजी महाराज के परंप्रिय शिष्य पंडित अरविंद मिश्रा के जन्मोत्सव पर पूज्य द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वतीजी महाराज ने विशेष शुभाशीर्वाद दिया, जी हां, यह कोई सामान्य जन्मोत्सव नहीं था। यह था एक ऐसे शिष्य का जीवनपर्व, जिसने अपना जीवन सांसारिक आकर्षणों से नहीं, अपितु गुरुचरणों की धूल से सुगंधित किया है। आज की आधुनिक पीढ़ी में जहां लोग बर्थडे पार्टी मनाते हैं, वहीं अरविंद मिश्रा ने इस अवसर पर पूज्य गुरु महाराज की चरण पादुका का पूजन कर उनके प्रति अपनी अखंड श्रद्धा प्रकट की। इसके पश्चात वे मां भगवती मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना की और फिर सिद्धेश्वर महादेव का अभिषेक कर अपने जन्म को भक्ति से सार्थक किया।

गुरुसेवा: उनके जीवन की धुरी

बाल्यकाल से ही अरविंद मिश्रा जी ब्रह्मलीन शंकराचार्य जी महाराज के सान्निध्य में रहे। उन्होंने गुरुजी की सेवा, पूजा-अर्चना, यात्राओं और रचनात्मक धार्मिक

आयोजनों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई। उनका जीवन आज की पीढ़ी के लिए यह संदेश देता है कि गुरुचरणों की सेवा से बढ़कर कोई साधना नहीं।

सच्चा जन्मोत्सव वही, जो गुरु को समर्पित हो

लोग आज आधुनिकता की दुनिया में जी रहे हैं वहीं सनातन धर्म में कहते हैं आज जब भोगप्रधान संस्कृति में जन्मोत्सव केवल दिखावे का माध्यम बन गए हैं, अरविंद जैसे शिष्य उस परंपरा को जीवित रखते हैं, जहाँ जन्म दिवस आत्मचिंतन, आराधना और गुरु भक्ति का पर्व होता है। जन्म केवल तिथि नहीं, तप की यात्रा का स्मरण है। और यदि वह जन्म गुरु के चरणों में हो तो वह स्वयं सिद्धि है।